तीन वर्ग

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» तीन वर्ग: एक परिचय

प्रश्न 1 (आसान). 9वीं से 16वीं सदी के बीच पश्चिमी यूरोप में समाज के कितने मुख्य वर्ग थे?
उत्तर – तीन मुख्य वर्ग।

प्रश्न 2 (आसान). 'भूमिधरक अभिजात वर्ग' को और किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर – लॉर्ड या सामंत।

प्रश्न 3 (मध्यम). तीन वर्गों में से कौन सा वर्ग खेती का काम करता था?
उत्तर – कृषक वर्ग (Peasants)।

प्रश्न 4 (कठिन). सामंतवाद (Feudalism) का संबंध मुख्यतः किन तीन सामाजिक वर्गों से था?
उत्तर – सामंतवाद का संबंध पादरी, भूमिधरक अभिजात वर्ग और कृषक वर्ग के बीच के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंधों से था।

» सामंतवाद का परिचय

प्रश्न 5 (आसान). सामंतवाद शब्द किस भाषा के शब्द 'Feud' से आया है?
उत्तर – जर्मन

प्रश्न 6 (आसान). 'Feud' शब्द का अर्थ क्या है?
उत्तर – भूमि का टुकड़ा

प्रश्न 7 (मध्यम). मध्यकालीन यूरोप में किसान भू-स्वामी को कौन सी सेवा देते थे?
उत्तर – श्रम-सेवा (labour-service) और कृषि कार्य

प्रश्न 8 (कठिन). सामंतवाद ने जीवन के किन-किन पहलुओं को प्रभावित किया?
उत्तर – आर्थिक, विधिक, राजनीतिक और सामाजिक संबंध

» फ्रांस और इंग्लैंड का प्रारंभिक इतिहास

प्रश्न 9 (आसान). फ्रांस को पहले किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर – गॉल (Gaul)

प्रश्न 10 (आसान). किस जनजाति ने गॉल को अपना नाम देकर 'फ्रांस' बनाया?
उत्तर – फ्रैंक जनजाति (Frank)

प्रश्न 11 (मध्यम). पोप ने किस फ्रांसीसी राजा को 'पवित्र रोमन सम्राट' की उपाधि दी?
उत्तर – शार्लमेन

प्रश्न 12 (कठिन). किस सदी में फ्रांस के एक प्रांत ने इंग्लैंड पर विजय प्राप्त की थी?
उत्तर – ग्यारहवीं सदी में (नॉर्मंडी के राजकुमार द्वारा)

» दूसरा वर्ग: अभिजात वर्ग और वैसलेज

प्रश्न 13 (आसान). मध्यकालीन फ्रांस में अभिजात वर्ग की समाज में क्या भूमिका थी?
उत्तर – भूमि पर नियंत्रण के कारण अभिजात वर्ग की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका थी।

प्रश्न 14 (आसान). वैसलेज प्रथा में 'लॉर्ड' और 'दास' के बीच मुख्य संबंध क्या था?
उत्तर – लॉर्ड दास की रक्षा करता था और दास लॉर्ड के प्रति निष्ठावान रहता था।

प्रश्न 15 (मध्यम). अभिजात वर्ग के पास अपनी जागीर पर कौन-कौन से अधिकार होते थे?
उत्तर – अभिजात वर्ग के पास अपनी जागीर पर स्थायी नियंत्रण होता था, वे अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा सकते थे, अपना न्यायालय लगा सकते थे और अपनी मुद्रा भी प्रचलित कर सकते थे।

प्रश्न 16 (कठिन). वैसलेज प्रथा को जर्मन मूल की प्रथा क्यों माना जाता है और यह फ्रांस के शासकों के लिए कैसे महत्वपूर्ण थी?
उत्तर – वैसलेज प्रथा का मूल जर्मन लोगों में था, जिसमें फ्रैंक लोग भी शामिल थे। यह फ्रांस के शासकों के लिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह उन्हें बड़े भू-स्वामियों (अभिजात वर्ग) के साथ वफादारी और सैन्य सहायता के रिश्ते में बांधती थी, जिससे उनकी सत्ता और नियंत्रण मजबूत होता था।

» मेनर की जागीरें और नाइट्स

प्रश्न 17 (आसान). मेनर की जागीरें किसके नियंत्रण में होती थीं?
उत्तर – लॉर्ड (अभिजात वर्ग) के नियंत्रण में।

प्रश्न 18 (आसान). नाइट्स कौन थे और उनका मुख्य काम क्या था?
उत्तर – नाइट्स कुशल अश्वसेना थे जिनका मुख्य काम युद्ध में अपने लॉर्ड के लिए लड़ना था।

प्रश्न 19 (मध्यम). क्या मेनर की जागीरें पूरी तरह आत्मनिर्भर थीं? दो उदाहरणों से समझाइए।
उत्तर – नहीं, मेनर की जागीरें पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं थीं। 'प्रतिदिन के उपभोग की प्रत्येक वस्तु जागीर पर मिलती थी' जैसे अनाज और कपड़े, लेकिन 'नमक, चक्की का पाट और धातु के बर्तन' जैसी कुछ आवश्यक चीज़ें उन्हें बाहर से खरीदनी पड़ती थीं।

प्रश्न 20 (कठिन). नाइट्स और उनके लॉर्ड के बीच संबंध कैसा था? 'फीफ' क्या था और इसकी क्या भूमिका थी?
उत्तर – नाइट्स और लॉर्ड के बीच 'वैसलेज' जैसा ही संबंध था। 'वे लॉर्ड से उसी प्रकार सम्बद्ध थे जिस प्रकार लॉर्ड राजा से सम्बद्ध था।' लॉर्ड नाइट को 'फीफ' (भूमि का एक भाग) देते थे, जिसकी रक्षा का वचन भी देते थे। फीफ '1000-2000 एकड़ या उससे अधिक में फैली हुई हो सकती थी', जिसमें नाइट के घर, चर्च और किसान होते थे। बदले में, नाइट अपने लॉर्ड को पैसे और युद्ध में सैन्य सेवा देते थे। यह फीफ नाइट का निवास स्थान और उसकी आय का स्रोत होती थी।

» पहला वर्ग: पादरी वर्ग और चर्च

प्रश्न 21 (आसान). चर्च का अध्यक्ष कौन होता था?
उत्तर – पोप

प्रश्न 22 (आसान). किसान चर्च को अपनी उपज का कितना हिस्सा देते थे?
उत्तर – 1/10 (दसवाँ हिस्सा)

प्रश्न 23 (मध्यम). मध्यकालीन फ्रांस में 'टीथ' क्या था?
उत्तर – यह किसानों द्वारा चर्च को अपनी उपज का दसवां हिस्सा दिया जाने वाला एक कर था।

प्रश्न 24 (कठिन). चर्च एक शक्तिशाली संस्था क्यों थी, जबकि राजा भी मौजूद था?
उत्तर – चर्च के अपने नियम थे, राजा द्वारा दी गई ज़मीनें थीं जिनसे वे कर वसूल सकते थे, और वे राजा पर पूरी तरह निर्भर नहीं थे। वे समाज का धार्मिक और नैतिक मार्गदर्शन भी करते थे, जिससे उन्हें बहुत शक्ति मिलती थी।

» भिक्षु और मठवाद

प्रश्न 25 (आसान). मठों में रहने वाले पुरुषों को क्या कहते थे?
उत्तर – मॉन्क (Monk)

प्रश्न 26 (आसान). मठों में रहने वाली स्त्रियों को क्या कहते थे?
उत्तर – नन (Nun)

प्रश्न 27 (मध्यम). भिक्षुओं और भिक्षुणियों के जीवन के तीन मुख्य पहलू क्या थे?
उत्तर – प्रार्थना, अध्ययन और शारीरिक श्रम।

प्रश्न 28 (कठिन). मठवाद ने समाज में कला और शिक्षा के विकास में कैसे योगदान दिया?
उत्तर – मठ बड़े इमारतों और भूमि के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज और अस्पताल से जुड़े होते थे। यहां पांडुलिपियों का लेखन और संगीत का विकास होता था, जैसे एबेस हिल्डेगार्ड ने चर्च के सामुदायिक गायन में योगदान दिया।

» तीसरा वर्ग: किसान - स्वतंत्र और कृषि-दास

प्रश्न 29 (आसान). मध्यकालीन यूरोप में किसान कितने प्रकार के थे?
उत्तर – दो प्रकार के: स्वतंत्र किसान और कृषि-दास।

प्रश्न 30 (आसान). कृषि-दास को अंग्रेजी में क्या कहते थे?
उत्तर – सर्फ़ (Serf)।

प्रश्न 31 (मध्यम). स्वतंत्र किसान और कृषि-दास में मुख्य अंतर क्या था?
उत्तर – स्वतंत्र किसान अपनी भूमि को लॉर्ड के काश्तकार के रूप में देखते थे और सैनिक सेवा देते थे, जबकि कृषि-दास पूरी तरह से लॉर्ड की भूमि पर निर्भर थे और उनकी आज्ञा के बिना कहीं जा नहीं सकते थे, और लॉर्ड उन पर अधिक नियंत्रण रखता था।

प्रश्न 32 (कठिन). कृषि-दासों के जीवन पर लॉर्ड का कितना नियंत्रण था? कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर – लॉर्ड का कृषि-दासों के जीवन पर अत्यधिक नियंत्रण था। उदाहरण के लिए: 1. वे लॉर्ड की आज्ञा के बिना जागीर नहीं छोड़ सकते थे। 2. उन्हें केवल अपने लॉर्ड की चक्की में आटा पीसना पड़ता था, उनके तंदूर में रोटी सेंकनी पड़ती थी, और लॉर्ड उनके विवाह के लिए भी अनुमति देता था या शुल्क लेता था।

» सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारक: पर्यावरण

प्रश्न 33 (आसान). ग्यारहवीं सदी से यूरोप में किस प्रकार का पर्यावरणीय बदलाव आया?
उत्तर – ग्यारहवीं सदी से यूरोप में 'गर्माहट का दौर' शुरू हो गया और औसत तापमान बढ़ने लगा।

प्रश्न 34 (आसान). ठंड के दौर में फसलों का 'उपज काल' क्यों छोटा हो गया था?
उत्तर – क्योंकि सर्दियाँ 'प्रचंड और लंबी अवधि' की होती थीं, जिससे फसलें उगाने के लिए कम समय मिलता था।

प्रश्न 35 (मध्यम). तापमान बढ़ने से कृषि भूमि के विस्तार पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – तापमान बढ़ने और पाले का असर कम होने से खेती करना आसान हो गया, जिससे 'वन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कमी हुई' और 'कृषि भूमि का विस्तार हुआ'।

प्रश्न 36 (कठिन). पर्यावरणीय बदलावों ने मध्यकालीन यूरोप के सामाजिक और आर्थिक संबंधों को किस प्रकार प्रभावित किया, संक्षेप में बताइए।
उत्तर – पर्यावरणीय बदलावों ने कृषि पैदावार को सीधे प्रभावित किया। ठंड के दौर में कम पैदावार से गरीबी और भूख बढ़ी, जबकि गर्माहट के दौर में बढ़ी हुई पैदावार ने लोगों को बेहतर जीवन-अवधि और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की, जिससे समाज और अर्थव्यवस्था दोनों में सुधार आया।

» भूमि का उपयोग और नई कृषि प्रौद्योगिकी

प्रश्न 37 (आसान). ग्यारहवीं सदी से पहले किसान किस प्रकार के हल का प्रयोग करते थे?
उत्तर – लकड़ी के हल्के हल

प्रश्न 38 (आसान). दो-खेत प्रणाली में कितनी भूमि खाली रहती थी?
उत्तर – आधी भूमि

प्रश्न 39 (मध्यम). ग्यारहवीं सदी के कृषि सुधारों से क्या फायदा हुआ?
उत्तर – उत्पादन में वृद्धि और भोजन की उपलब्धता दुगुनी हो गई।

प्रश्न 40 (कठिन). तीन-खेत प्रणाली ने दो-खेत प्रणाली से किस प्रकार बेहतर प्रदर्शन किया?
उत्तर – तीन-खेत प्रणाली में एक खेत में पतझड़ की फसल, दूसरे में बसंत की फसल और तीसरा खेत परती रखा जाता था। हर साल बारी-बारी से तीनों खेतों का उपयोग होता था, जिससे हर साल केवल एक-तिहाई ज़मीन ही खाली रहती थी, न कि आधी, और उत्पादन बढ़ गया।

» चौथा वर्ग: नए नगर और नगरवासी

प्रश्न 41 (आसान). ग्यारहवीं सदी में यूरोप में जनसंख्या क्यों बढ़ने लगी?
उत्तर – कृषि उत्पादन में वृद्धि और बेहतर भोजन के कारण।

प्रश्न 42 (आसान). चौथा वर्ग किन लोगों से मिलकर बना था?
उत्तर – कारीगर, व्यापारी और सौदागर जैसे नगरवासी।

प्रश्न 43 (मध्यम). नए नगरों के उदय में 'three-field system' ने कैसे भूमिका निभाई?
उत्तर – इस प्रणाली से कृषि उत्पादन बढ़ा, जिससे अधिक लोगों का भरण-पोषण संभव हुआ और अतिरिक्त उपज को बेचने के लिए बाजारों की आवश्यकता हुई, जो नगरों के विकास का कारण बनी।

प्रश्न 44 (कठिन). चौथे वर्ग के उदय ने सामंती व्यवस्था को कैसे प्रभावित किया होगा?
उत्तर – चौथे वर्ग के उदय ने सामंती व्यवस्था को कमजोर किया होगा क्योंकि लोगों को अब केवल भूमि पर आधारित जीवन जीने की आवश्यकता नहीं थी। वे शहरों में व्यापार और दस्तकारी से जीविका कमा सकते थे, जिससे अभिजात वर्ग और किसानों के बीच के पारंपरिक संबंधों में बदलाव आया।

» कथीड्रल-नगर: आस्था और विकास

प्रश्न 45 (आसान). कथीड्रल क्या थे?
उत्तर – कथीड्रल बड़े चर्च थे जो फ्रांस में 12वीं सदी से बनने शुरू हुए।

प्रश्न 46 (आसान). कथीड्रल के निर्माण में कौन योगदान करते थे?
उत्तर – धनी व्यापारी दान देते थे और लोग श्रम, वस्तुओं और धन से सहयोग करते थे।

प्रश्न 47 (मध्यम). कथीड्रलों के चारों ओर नगर कैसे विकसित हुए?
उत्तर – जैसे-जैसे कथीड्रल बनते गए, उनके आसपास लोग बसने लगे और पूरा होने पर वे तीर्थ-स्थल बन गए, जिनके चारों ओर छोटे नगर विकसित हुए।

प्रश्न 48 (कठिन). कथीड्रलों की दो वास्तुशिल्प विशेषताएं बताइए और उनका महत्व समझाइए।
उत्तर – पहली विशेषता थी कि उन्हें पादरी की आवाज़ स्पष्ट सुनाई देने के लिए बनाया जाता था, जिससे सभी श्रद्धालु प्रवचन सुन सकें। दूसरी, रंगीन कांच की खिड़कियां जिन पर बाइबिल की कहानियां चित्रित होती थीं। ये अनपढ़ लोगों को भी धार्मिक शिक्षा देती थीं और कथीड्रल के भीतर अद्भुत रोशनी भर देती थीं।

» चौदहवीं सदी का संकट: अकाल, प्लेग और आर्थिक मंदी

प्रश्न 49 (आसान). चौदहवीं सदी के संकट का एक मुख्य कारण क्या था?
उत्तर – ब्यूबोनिक प्लेग (ब्लैक डेथ)

प्रश्न 50 (आसान). ठंडे मौसम का खेती पर क्या असर पड़ा?
उत्तर – फसलें खराब हो गईं और अकाल पड़ने लगा।

प्रश्न 51 (मध्यम). आर्थिक मंदी का क्या कारण था और उसका क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – धातु-मुद्रा की कमी के कारण व्यापार धीमा पड़ गया और लोगों के पास पैसे कम हो गए।

प्रश्न 52 (कठिन). चौदहवीं सदी के संकट के विभिन्न कारकों ने मिलकर यूरोप पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव डाला होगा?
उत्तर – इन कारकों ने यूरोप की जनसंख्या को कम किया, अर्थव्यवस्था को कमजोर किया, और समाज में बहुत अधिक डर और अनिश्चितता पैदा की, जिससे सामाजिक व्यवस्था में बड़े बदलाव आए।

» सामाजिक असंतोष और राजनीतिक परिवर्तन

प्रश्न 53 (आसान). 14वीं सदी में यूरोप में आई दो बड़ी प्राकृतिक आपदाएं कौन सी थीं?
उत्तर – महान अकाल ('The Great Famine') और ब्यूबोनिक प्लेग ('The Black Death')।

प्रश्न 54 (आसान). किसान विद्रोह किन तीन यूरोपीय देशों में हुए?
उत्तर – फ्लैंडर्स, फ्रांस और इंग्लैंड।

प्रश्न 55 (मध्यम). नए शासक कौन थे और उन्होंने अपनी शक्ति कैसे बढ़ाई?
उत्तर – नए शासक वे राजा थे जिन्होंने 15वीं-16वीं सदी में अपनी सैन्य और वित्तीय शक्ति बढ़ाई। उन्होंने स्थायी सेनाएं, नौकरशाही और राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करके अपनी शक्ति बढ़ाई।

प्रश्न 56 (कठिन). सामाजिक असंतोष और किसान विद्रोहों ने सामंती व्यवस्था पर क्या प्रभाव डाला?
उत्तर – सामाजिक असंतोष और किसान विद्रोहों ने सामंती व्यवस्था को कमज़ोर किया। भले ही विद्रोहों को दबा दिया गया, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि पुराने सामंती रिश्ते अब दोबारा थोपे नहीं जा सकते और पैसों पर आधारित अर्थव्यवस्था को पलटा नहीं जा सकता।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सामंतवादी यूरोप में 'पादरी' वर्ग की मुख्य भूमिका क्या थी?

› पहला वर्ग 'पादरी' था। पादरी का सीधा संबंध 'धर्म' और 'चर्च' से होता है।
› उस समय यूरोप में ईसाई धर्म बहुत महत्वपूर्ण था, और चर्च लोगों के जीवन का एक बड़ा हिस्सा था।
› इसलिए, पादरी वर्ग का मुख्य काम 'प्रार्थना करना', 'धार्मिक अनुष्ठान करवाना' और 'लोगों को धार्मिक शिक्षा देना' था।
› वे एक तरह से लोगों के आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे और समाज में उनका बहुत सम्मान होता था।

उत्तर – सामंतवादी यूरोप में पादरी वर्ग की मुख्य भूमिका 'प्रार्थना और धार्मिक कार्यों को संपन्न करना' थी, जिससे वे लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते थे।

उदाहरण 2. सामंतवाद के मुख्य आर्थिक और सामाजिक पहलू क्या थे?

› पहला कदम, आर्थिक पहलू पर ध्यान दें: इसमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादन शामिल था। किसान, जो 'peasants' कहलाते थे, अपने खेतों के साथ-साथ 'lord' यानी भू-स्वामी के खेतों पर भी काम करते थे। वे 'lord' को श्रम-सेवा यानी 'labour-service' देते थे।

› दूसरा कदम, सामाजिक पहलू को देखें: 'Lord' बदले में किसानों को 'military protection' यानी सैनिक सुरक्षा देते थे। 'Lord' के पास कसिानों पर 'judicial rights' यानी न्यायकि अधकिार भी होते थे, जसिसे वह उनके बीच के ववाद को सुलझाता था और न्याय करता था।

› तीसरा कदम, इन दोनों पहलुओं को जोड़कर समझें: यह सिर्फ पैसे के लेन-देन या खेती की बात नहीं थी, बल्कि यह 'lord' और 'peasant' के बीच एक ऐसा रश्ता था जो पूरे समाज की संरचना तय करता था, जसिमें सुरक्षा और न्याय भी शामिल थे।

उत्तर – सामंतवाद के आर्थिक पहलू में भू-स्वामी (lord) और किसानों (peasants) के बीच कृषि उत्पादन और श्रम-सेवा का संबंध था। सामाजिक पहलू में lord द्वारा किसानों को सैनिक सुरक्षा और न्यायिक अधिकार प्रदान करना शामिल था।

उदाहरण 3. फ्रांस का नाम 'फ्रांस' कैसे पड़ा?

› पहला कदम: 'गॉल' (Gaul) नाम का एक रोमन प्रांत था जो आज के फ्रांस का क्षेत्र था।

› दूसरा कदम: जर्मनी की एक शक्तिशाली जनजाति थी जिसका नाम 'फ्रैंक' (Frank) था।

› तीसरा कदम: इस फ्रैंक जनजाति ने गॉल पर विजय प्राप्त की और उसे अपना नाम दिया।

› चौथा कदम: इस प्रकार, 'गॉल' धीरे-धीरे 'फ्रांस' बन गया और 'फ्रैंकिश' राजाओं द्वारा शासित हुआ।

उत्तर – गॉल नाम के रोमन प्रांत को जर्मनी की फ्रैंक जनजाति ने अपना नाम देकर 'फ्रांस' बनाया।

उदाहरण 4. मध्यकालीन फ्रांस में 'वैसलेज' की प्रथा को संक्षेप में समझाइए।

› पहला कदम, यह समझना कि वैसलेज राजा और अभिजात वर्ग (बड़े ज़मींदारों) के बीच का रिश्ता था।

› दूसरा कदम, यह बताना कि इस रिश्ते में लॉर्ड (राजा या बड़ा ज़मींदार) अपने दास (छोटा ज़मींदार) की रक्षा करता था।

› तीसरा कदम, यह समझाना कि बदले में दास अपने लॉर्ड के प्रति वफादार रहता था और उनकी मदद करता था।

› चौथा कदम, इस संबंध को बाइबल की शपथ और भूमि के प्रतीकात्मक हस्तांतरण (छड़ी या मिट्टी का डला) से जोड़ा जाता था।

उत्तर – वैसलेज मध्यकालीन फ्रांस में राजा और अभिजात वर्ग के बीच एक वचनबद्ध सामाजिक-राजनीतिक संबंध था। इसमें लॉर्ड अपने दास (छोटे ज़मींदार) की रक्षा करता था, और बदले में दास लॉर्ड के प्रति निष्ठावान रहता था, अक्सर सैन्य सेवा या अन्य सहायता प्रदान करता था। यह संबंध चर्च में बाइबल पर शपथ लेकर और भूमि के प्रतीक के आदान-प्रदान से औपचारिक किया जाता था।

उदाहरण 5. मध्यकालीन यूरोप में मेनर की जागीरें कैसे चलती थीं और नाइट्स की क्या भूमिका थी?

› मेनर जागीरें: लॉर्ड का मुख्य निवास और कृषि केंद्र थीं।

› संरचना: इसमें लॉर्ड का भवन, खेत, वन, चरागाह, चर्च और किसानों के घर होते थे।

› आत्मनिर्भरता: 'प्रतिदिन के उपभोग की प्रत्येक वस्तु जागीर पर मिलती थी' - जैसे अनाज, कपड़े बनते थे, लोहार-बढ़ई होते थे। लेकिन 'नमक, चक्की का पाट और धातु के बर्तन' जैसी कुछ चीज़ें बाहर से आती थीं।

› नाइट्स का उदय: 'नौवीं सदी से, यूरोप में स्थानीय युद्ध प्रायः होते रहते थे', जिससे कुशल अश्वसेना 'नाईट्स' की ज़रूरत पड़ी।

› नाइट्स की भूमिका: वे लॉर्ड के वफादार सैनिक होते थे। लॉर्ड उन्हें 'फीफ' (भूमि का टुकड़ा) देते थे और उनकी रक्षा करते थे। बदले में, नाइट्स 'अपने लॉर्ड को एक निश्चित रकम देता था और युद्ध में उसकी तरफ से लड़ने का वचन देता था' और सैन्य अभ्यास करते रहते थे।

उत्तर – मेनर जागीरें लॉर्ड के नियंत्रण में आत्मनिर्भर कृषि केंद्र थीं, जहाँ रोज़मर्रा की ज़्यादातर ज़रूरतें पूरी होती थीं। नाइट्स युद्धों के कारण उभरे कुशल सैनिक थे जो लॉर्ड को सैन्य सेवा देते थे और बदले में उन्हें भूमि (फीफ) मिलती थी।

उदाहरण 6. मध्यकालीन फ्रांस में किसानों द्वारा चर्च को दिए जाने वाले कर 'टीथ' की गणना कीजिए, यदि एक किसान की कुल उपज 500 किलोग्राम गेहूँ है।

› हमें किसान की कुल उपज जाननी है, जो 500 किलोग्राम गेहूँ है।

› टीथ कर उपज का 1/10वां हिस्सा होता था।

› तो, 500 किलोग्राम का 1/10वां हिस्सा निकालने के लिए 500 को 10 से भाग देंगे।

› 500 ÷ 10 = 50 किलोग्राम।

उत्तर – किसान को चर्च को 50 किलोग्राम गेहूँ 'टीथ' के रूप में देना होगा।

उदाहरण 7. मध्यकालीन यूरोप में भिक्षु और पादरी के जीवन में मुख्य अंतर क्या थे?

› पहला अंतर: पादरी समाज के बीच, शहरों और गाँवों में रहकर लोगों को धार्मिक शिक्षा देते थे। जबकि भिक्षु एकांत पसंद करते थे और 'मठों (monasteries)' में रहते थे, जो अक्सर आबादी से दूर होते थे।

› दूसरा अंतर: पादरी लोगों के 'चर्च' संबंधी कार्यों जैसे बपतिस्मा, विवाह, अंतिम संस्कार आदि में शामिल होते थे। भिक्षु अपना जीवन 'प्रार्थना, अध्ययन और शारीरिक श्रम' जैसे कृषि में लगाते थे।

› तीसरा अंतर: दोनों ही विवाह नहीं करते थे, लेकिन भिक्षु और भिक्षुणियाँ (पुरुष और स्त्री दोनों) मठवादी जीवन अपना सकते थे, जबकि पादरी मुख्य रूप से पुरुष होते थे जो चर्च का नेतृत्व करते थे।

उत्तर – मुख्य अंतर यह था कि पादरी लोगों के बीच रहकर चर्च की सेवा करते थे, जबकि भिक्षु एकांत में, मठों में रहकर अपना जीवन प्रार्थना और धार्मिक कार्यों को समर्पित करते थे।

उदाहरण 8. मध्यकालीन यूरोप में स्वतंत्र किसानों के दो प्रमुख कर्तव्य कौन से थे?

› पहला कर्तव्य था 'सैनिक सेवा में योगदान' देना, जो कि 'वर्ष में कम से कम चालीस दिन' करना पड़ता था।

› दूसरा कर्तव्य था 'लॉर्ड की जागीरों पर जाकर काम करने के लिए सप्ताह के तीन या उससे अधिक कुछ दिन निश्चित करने पड़ते थे', और इस काम के लिए उन्हें कोई 'मजदूरी नहीं मिलती थी'।

› इसके अलावा, उन्हें 'गड्ढे खोदना, लकड़ियाँ इकट्ठी करना, बाड़ बनाना और सड़कों व इमारतों की मरम्मत' जैसे काम भी करने पड़ते थे।

उत्तर – स्वतंत्र किसानों के दो प्रमुख कर्तव्य थे: लॉर्ड के लिए वर्ष में कम से कम 40 दिन सैनिक सेवा देना, और सप्ताह में कुछ दिन बिना मज़दूरी के लॉर्ड के खेतों और अन्य कार्यों पर काम करना।

उदाहरण 9. मध्यकालीन यूरोप में पाँचवीं से दसवीं सदी तक के 'तीव्र ठंड के दौर' का कृषि पर क्या प्रभाव पड़ा, स्पष्ट करें।

› सबसे पहले, यह समझें कि 'तीव्र ठंड का दौर' मतलब बहुत ज़्यादा और लंबी सर्दियाँ।

› ऐसी ठंड में फसलों को उगने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता, जिससे 'उपज काल छोटा' हो जाता है।

› मिट्टी भी बहुत ठंडी और जमी हुई रहती है, जिससे खेती करना मुश्किल होता है।

› इन सब कारणों से, 'कृषि की पैदावार कम हो जाती है' और अनाज की कमी हो सकती है।

उत्तर – पाँचवीं से दसवीं सदी तक यूरोप में 'तीव्र ठंड का दौर' था, जिससे सर्दियाँ लंबी और प्रचंड होती थीं। इस कारण फसलों को उगने का समय कम मिलता था ('उपज काल छोटा हो गया'), मिट्टी की उत्पादकता कम हो जाती थी और अंततः 'कृषि की पैदावार' में भारी कमी आई।

उदाहरण 10. ग्यारहवीं सदी में कृषि प्रौद्योगिकी में आए किन्हीं दो मुख्य बदलावों को समझाइए और यह भी बताइए कि इनसे क्या फायदे हुए?

› पहला मुख्य बदलाव था 'The use of heavy iron-tipped ploughs'. मतलब, लकड़ी के हलों की जगह लोहे के भारी नोक वाले हल इस्तेमाल होने लगे। इससे क्या हुआ? 'Such ploughs could dig much deeper', ये हल ज़मीन में ज़्यादा गहरा खोद पाते थे, जिससे मिट्टी के पोषक तत्व ऊपर आ जाते थे और फसलें बेहतर उगती थीं।

› दूसरा बड़ा बदलाव था 'Improvements in the methods of harnessing animals'. पशुओं को हल में जोतने के तरीकों में सुधार हुआ। पहले गले में जुआ बांधते थे, जिससे पशुओं को सांस लेने में दिक्कत होती थी। अब 'the yoke was placed over the shoulders' - जुआ कंधों पर बांधा जाने लगा। इससे पशुओं को ज़्यादा शक्ति मिलती थी और वे आसानी से हल खींच पाते थे।

› इन बदलावों के क्या फायदे हुए? 'Better utilisation of the nutrients in the soil' - मिट्टी के पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग हुआ और 'animals could exert more power' - पशु ज़्यादा शक्ति लगा पाए। इससे फसल का उत्पादन बढ़ा और लोगों को ज़्यादा खाना मिलने लगा।

उत्तर – ग्यारहवीं सदी में लोहे के भारी हलों और पशुओं को जोतने के बेहतर तरीकों ने कृषि में क्रांति ला दी। लोहे के हलों से गहरी जुताई संभव हुई और जुए को कंधों पर रखने से पशुओं की कार्यक्षमता बढ़ी, जिससे अंततः उत्पादन में भारी वृद्धि हुई।

उदाहरण 11. यूरोप में ग्यारहवीं सदी में नगरों के विकास के क्या मुख्य कारण थे?

› पहला कारण था 'कृषि का विस्तार' (Agricultural expansion)। खेती की नई तकनीकों से, खासकर 'three-field system' से, अनाज का उत्पादन बढ़ गया।

› दूसरा कारण था 'जनसंख्या में वृद्धि' (Population growth)। जब लोगों को ज्यादा और अच्छा खाना मिलने लगा, तो बीमारियों से मृत्यु दर कम हुई और जनसंख्या बढ़ने लगी।

› तीसरा कारण था 'अतिरिक्त उपज का व्यापार' (Trade of surplus produce)। किसानों के पास जो अतिरिक्त अनाज बचता था, उसे बेचने के लिए और बदले में दूसरी चीजें खरीदने के लिए 'बाजारों की ज़रूरत' पड़ी।

› चौथा कारण था 'नए व्यवसायों का उदय' (Emergence of new occupations)। इन बाजारों में व्यापार करने के लिए 'कारीगरों' (artisans) और 'व्यापारियों' (merchants) की ज़रूरत पड़ी, जिससे नए शहरी केंद्र बने।

› इन सब कारणों से पुराने शहर फिर से आबाद हुए और कई नए नगर बस गए, जिससे 'चौथे वर्ग' का उदय हुआ।

उत्तर – ग्यारहवीं सदी में कृषि विस्तार, जनसंख्या वृद्धि, अतिरिक्त उपज के व्यापार की आवश्यकता और नए व्यवसायों के उदय के कारण यूरोप में नए नगरों का विकास हुआ।

उदाहरण 12. कथीड्रल-नगरों के विकास में किन-किन कारकों का योगदान था? किन्हीं दो महत्वपूर्ण वास्तुशिल्प विशेषताओं का भी उल्लेख करें।

› पहला कारक था धनी व्यापारियों द्वारा चर्चों को दिया गया दान, जो उनके लिए अपने धन को खर्च करने का एक तरीका था।

› दूसरा कारक था विभिन्न सामाजिक समूहों के लोगों द्वारा कथीड्रलों के निर्माण में श्रम, वस्तु और धन का योगदान।

› तीसरा कारक था कथीड्रलों के आसपास धीरे-धीरे लोगों का बसना, जिससे वे स्थान तीर्थ-स्थल बन गए और उनके चारों ओर नगर विकसित हुए।

› वास्तुशिल्प विशेषताओं में पहला, कथीड्रलों को इस तरह से बनाया जाता था कि पादरी की आवाज़ सभागार में स्पष्ट सुनाई दे और भिक्षुओं का गायन अधिक मधुर लगे।

› दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता थी खिड़कियों में अभिरंजित कांच (stained glass) का उपयोग, जिन पर बाइबिल की कहानियाँ चित्रित होती थीं, ताकि अनपढ़ लोग भी उन्हें 'पढ़' सकें।

उत्तर – कथीड्रल-नगरों के विकास में धनी व्यापारियों का दान, आम लोगों का श्रम व योगदान और कथीड्रल के तीर्थ-स्थल बनने का कारक था। इसकी दो प्रमुख वास्तुशिल्प विशेषताएं पादरी की स्पष्ट सुनाई देने वाली आवाज़ के लिए ध्वनि-संरचना और रंगीन कांच की खिड़कियां थीं जो बाइबिल की कहानियां दर्शाती थीं।

उदाहरण 13. चौदहवीं सदी में यूरोप में आए संकट के मुख्य कारणों को संक्षेप में समझाइए।

› पहला कारण था 'मौसम में बदलाव' – यूरोप में ठंडा मौसम शुरू हो गया, जिससे खेती का समय कम हो गया और 'फसलें खराब' होने लगीं।

› दूसरा, इसी से जुड़ा था 'अकाल' – जब फसलें खराब हुईं, तो खाने की कमी हो गई, जिससे लोग 'कुपोषण' का शिकार होने लगे।

› तीसरा, 'पशुओं की मौतें' – फसलों के साथ-साथ, 'गायों और भेड़ों' जैसे जानवर भी बड़ी संख्या में मारे गए, जिससे किसानों को और नुकसान हुआ।

› चौथा, 'आर्थिक मंदी' – चांदी जैसी धातुओं की कमी से व्यापार धीमा पड़ गया और 'बाजारों में पैसा' कम हो गया।

› और सबसे बड़ा कारण, 'ब्यूबोनिक प्लेग' या 'ब्लैक डेथ' – एक भयानक महामारी जिसने 'लाखों लोगों' की जान ले ली और यूरोप की जनसंख्या को बहुत कम कर दिया।

उत्तर – चौदहवीं सदी का संकट ठंडा मौसम, अकाल, पशुओं की मौतें, धातु-मुद्रा में कमी से आई आर्थिक मंदी और सबसे महत्वपूर्ण, ब्यूबोनिक प्लेग (ब्लैक डेथ) के कारण आया था। यह कई समस्याओं का एक साथ आना था।

उदाहरण 14. 14वीं सदी में यूरोप में हुए परिवर्तनों का 'सामाजिक असंतोष' और 'राजनीतिक परिवर्तन' पर क्या प्रभाव पड़ा, संक्षेप में समझाइए।

› पहले 14वीं सदी के संकट को पहचानिए: अकाल ('The Great Famine') और प्लेग ('The Black Death') जैसी आपदाएं, जिन्होंने लाखों लोगों की जान ली और 'लोगों की हालत दयनीय' बना दी।

› फिर सामाजिक असंतोष के कारणों को समझाइए: लॉर्डों की आय में कमी, मज़दूरी दरों में वृद्धि ('wages increased'), कृषि मूल्यों में गिरावट ('agricultural prices fell'), और लॉर्डों द्वारा पुराने 'मज़दूरी सेवाओं' को फिर से थोपने का प्रयास।

› किसान विद्रोहों का उल्लेख करें: फ्लैंडर्स (1323), फ्रांस (1358), इंग्लैंड (1381) में हुए 'हिंसक विरोध' ('violent protests') इन असंतोष की अभिव्यक्ति थे।

› राजनीतिक परिवर्तनों की व्याख्या करें: इन विद्रोहों ने सामंती संबंधों को कमजोर किया और 'नए शासकों' ('new monarchs') को अपनी शक्ति बढ़ाने का अवसर दिया।

› नए शासकों की विशेषताओं को बताएं: उन्होंने 'संगठित स्थायी सेनाओं' ('organised standing armies'), 'स्थायी नौकरशाही' ('permanent bureaucracy'), और 'राष्ट्रीय कर प्रणाली' ('national tax system') स्थापित की, जिससे उनकी 'सैन्य और वित्तीय शक्ति' बढ़ी।

उत्तर – 14वीं सदी में 'अकाल' और 'प्लेग' जैसे संकटों के कारण यूरोप में भयंकर 'सामाजिक असंतोष' फैला। लॉर्डों की आय घटी, मज़दूरी बढ़ी, और पुराने सामंती तरीकों को थोपने के प्रयासों ने किसानों को 'विद्रोह' करने पर मजबूर किया। इन विद्रोहों ने सामंती व्यवस्था को कमज़ोर किया और 'नए शासकों' को उभारा, जिन्होंने 'स्थायी सेना', 'नौकरशाही' और 'कर प्रणाली' के ज़रिए अपनी 'राजनीतिक शक्ति' को बढ़ाया, जिससे सामंती व्यवस्था की जगह केंद्रीयकृत राजशाही मजबूत हुई।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे अध्याय की नींव है। इन तीनों वर्गों की भूमिकाओं और उनके आपसी संबंधों को अच्छे से समझना, क्योंकि इस पर सीधे प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सामंतवाद की परिभाषा, उसकी उत्पत्ति, और उसके आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक प्रभावों को अलग-अलग बिंदुओं में याद रखना। 'Lord' और 'Peasant' के बीच के रिश्ते को समझाना मत भूलना।

• यह हिस्सा अक्सर 'फ्रांस के नामकरण' या 'शार्लमेन और पोप के संबंध' के बारे में छोटे उत्तर वाले प्रश्नों में आता है, तो इन बिंदुओं पर खास ध्यान देना।

• यह 'वैसलेज' की प्रथा बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3 से 5 अंकों के प्रश्न के रूप में आती है। इसके मुख्य बिन्दुओं को अच्छे से याद रखना, खासकर लॉर्ड और दास के बीच के कर्तव्यों को।

• चर्च की शक्ति, पादरियों की भूमिका, और 'टीथ' कर पर अक्सर बोर्ड परीक्षा में सीधे प्रश्न आते हैं, इसलिए इन बिंदुओं को अच्छे से समझना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर भिक्षुओं के जीवन, मठों के योगदान और पादरियों से उनके अंतर पर प्रश्न पूछे जाते हैं। Saint Benedict और Cluny मठों के नाम याद रखना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर स्वतंत्र किसानों और कृषि-दासों के बीच अंतर पूछा जाता है, या कृषि-दासों के जीवन की कठिनाइयों पर प्रश्न आते हैं। दोनों के कर्तव्यों और अधिकारों को ध्यान से समझना।

• यह 'दो-खेत प्रणाली' और 'तीन-खेत प्रणाली' का अंतर बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। इसे उदाहरण के साथ अच्छे से तैयार कर लेना।

• कथीड्रल-नगरों के विकास और उनकी वास्तुशिल्प विशेषताओं पर अक्सर छोटे प्रश्न आते हैं। रंगीन कांच की खिड़कियों और उनके धार्मिक महत्व को ज़रूर याद रखना।

• यह विषय 'सामाजिक-आर्थिक' और 'राजनीतिक' परिवर्तनों को जोड़ता है। बोर्ड परीक्षा में इसके 'कारण' और 'परिणाम' को अच्छी तरह से तैयार करके जाना। नए शासकों की विशेषताओं पर खास ध्यान देना।

एक नज़र में रिवीज़न

› पश्चिमी यूरोप के तीन वर्ग: पादरी, अभिजात वर्ग, कृषक; सामंतवाद का आधार।
› सामंतवाद: भूमि-आधारित सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था, lord-किसान संबंध।
› गॉल फ्रैंक जनजाति ने नाम दिया फ्रांस; ग्यारहवीं सदी में इंग्लैंड पर विजय।
› अभिजात वर्ग भूमि नियंत्रक; वैसलेज लॉर्ड-दास निष्ठा संबंध; अपनी जागीर पर पूर्ण अधिकार।
› चर्च प्रथम वर्ग, शक्तिशाली, पोप अध्यक्ष, टीथ कर (1/10 उपज)
› भिक्षु मठों में एकांत जीवन, प्रार्थना, अध्ययन; मॉन्क-नन; कला, शिक्षा में योगदान।
› किसान: स्वतंत्र किसान (सैनिक सेवा, मुफ्त श्रम) और कृषि-दास (लॉर्ड के अधीन, जागीर नहीं छोड़ सकते)।
› 11वीं सदी में लोहे के हल, जुआ कंधों पर, तीन-खेत प्रणाली से कृषि उत्पादन बढ़ा।
› कथीड्रल-नगर: 12वीं सदी फ्रांस में बने विशाल चर्च, दान व श्रम से निर्मित, आसपास नगर विकसित, रंगीन कांच।
› 14वीं सदी: अकाल, प्लेग, किसान विद्रोह, नए शासकों द्वारा केंद्रीय शक्ति का उदय।